Hindi Elective - 002

2

Space for writing
Question Number

Space for writing Question Number

खण्ड - ख

(3) (i) विशेष लेखन से यह अभिप्राय है कि यह एक ऐसा लेख है जिसमें किसी विशेष विषय से संबंधित सूचना व घटना को एकत्रित करके, उनका विश्लेषण किया जाता है, यह संपादक द्वारा किया जाता है।
इसके प्रमुख क्षेत्र है - खेल, अपराध, राजनीति, व्यवसाय आदि।

(ii) संपादकीय - यह केवल संपादक द्वारा ही किसी विशेष घटना व विषय में किया जाता है, इसकी लेखन शैली सपाट व गंभीर होती है।

लेख - यह किसी प्रोफेशनल व प्रसिद्ध लेखक द्वारा लिखा जाता है, इसमें विषय को चुनने की स्वतंत्रता होती है, इसकी लेखन शैली सरल, सहज व आकर्षक होती है।

(iii) समाचार लेखन की बुनियादी और मानक शैली 'उल्टा पिरामिड शैली' होती है, जिसे अन्वरीटड पिरामिड शैली भी कहा जाता है, इसमें सूचना व समाचार घटते हुए महत्वक्रम के साथ लिखा जाता है, इसमें क्लाइमैक्स अंत में नहीं बल्कि शुरुआत में होता है, इसके भाग है - इंट्रो या मुखड़ा, बॉडी, अंत या समापन, इसमें निष्कर्ष नहीं होता है।

Space for writing Question Number



→ सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण

→ सबसे कम महत्त्वपूर्ण

विशेषताएँ :- इससे लेखन रोचक ~~बन~~ व आकर्षक बन जाता है। इससे पाठकों को विषय के बारे में पहले ही ज्ञान हो जाता है कम समय में इसके प्रयोग से लाभकायक सूचनाएँ पाठकों तक पहुँचाई जा सकती है।

(5) (i) इंटरनेट अंतरक्रियात्मकता और सूचनाओं के विशाल भंडार का अनूठा माध्यम है क्योंकि -

* इसमें एक बटन दबाने से हमें अपने मन पसंदीदा क्षेत्र के समाचारों का ज्ञान मिल जाता है।
* एक जगह में बैठकर हम पूरे देश व विदेश में घटी घटनाओं के विषय में जान सकते है।

जैसे :- अभी यू एस व ईरान में युद्ध चल रहा है, जिसमें भारत भाग नहीं ले रहा है फिर भी हमें घर बैठे सारी सूचनाएँ मिल जाती है।

Space for writing Question Number

*~~(iii)~~ ~~इसकी मदद~~ इंटरनेट के कारण शोध कार्य भी आसानी से हो जाते हैं. अथवा हमें इंटरनेट पर शब्दकोश भी प्राप्त हो जाती है।

*~~(iv)~~ इंटरनेट पर सुनने, पढ़ने व देखने के अवसर प्राप्त होने के कारण ही आज यह सभी लोगों का पसंदीदा है।

(iii) समाचार पत्रों में विचारपरक लेखन का अत्यधिक महत्त्व है अर्थात् किसी भी सूचना को छापने से पहले उस पर विचार किया जाए, उसके तथ्यों की पुष्टि की जाए व उसका विश्लेषण किया जाए। उसके अंतर्गत उल्टा पिरामिड शैली को शामिल किया जाता है। भाषा सहज व सरल होती है।

उदाहरण :— आज उत्तराखंड में भारी वर्षा हुई है जिसके कारण पहाड़ों पर झोपड़ी अस्त-व्यस्त हो गई है। ~~@~~ लोगों को ज्यादा पानी के कारण विस्थापित किया गया व उन तक तत्काल सेवा पहुँचाई गई, आदि।

6

Space for writing Question Number

(5) ~~(3)~~ पुस्तक मेले में एक दिन

हमारे विद्यालय के वार्षिक उत्सव से एक दिन पहले हमारे विद्यालय की ऑडीटोरियम में पुस्तक मेला लगा, जहाँ ~~विभि~~ विभिन्न कलेख की पुस्तकें थी जैसे – खेल, कला, नृत्य, कविता, अपराध, भूगोल व इतिहास आदि पर आधारित थी अथवा विभिन्न प्रसिद्ध लेखकों द्वारा लिखी गई थीं।

मुझे पुस्तकें बहुत पसंद है। इसलिए मैं हर वर्ष इस मेले में उपस्थित होती हूँ और अपने पसंद की पुस्तकें खरीदती हूँ, जिन्हें पढ़कर मुझे बहुत अच्छा लगता है। ज्ञान की प्राप्ति होती है व भाषा में सुधार आता है।

इस बार मैं जनसंचार के ~~इस~~ इतिहास व मुद्रित माध्यम के इतिहास की पुस्तक ली, जिसमें मुझे पता चला कि सबसे पहले इसकी शुरुआत चीन में हुई थी। पहला छापाखाना जर्मनी के गुटेनबर्ग ने तैयार किया था। हमारे भारत में यह सबसे पहले गोवा में 1556 में

Space for writing
Question Number

(b) चालू हुआ।

पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र होती है। इसमें हम अपने भावों को प्रकट कर सकते है व दूसरे के बारे में जानकारी भी प्राप्त कर सकते है। अत: हमें पुस्तके पढ़नी चाहिए जिससे हमारा मानसिक विकास हो।

(6) (a) नाटक सामाजिक समस्याओं के चित्रण का सबसे प्रभावी और सशक्त माध्यम है क्योंकि नाटक द्वारा कई सारे लोगों को प्रेरित किया जा सकता है, यह बड़ी संख्या द्वारा देखा जाता है।
लोगों को नाटक देखने में रुचि होती है क्योंकि यह जीवंतता का आभास दिलाती है, जिससे लोग उसमें दिए गए उद्देश्य को अच्छे से समझ पाते है।
नाटक से सामाजिक समस्याओं का चित्रण पात्रों द्वारा सही परिवेश, कहानी को क्रम अनुसार व चरम उत्कर्ष के बिंदु द्वारा दिखाया जा सकता है। जिसमें पात्रों द्वारा बोले गए संवाद आम भाषा व रोज बोले जाने वाली भाषा में होता है। जिसके कारण दर्शक उन्हें समझ व उसके उद्देश्य को सीख पाते है।

(iii) कहानी और नाटक में समानता -

दोनों में ही एक कहानी होती है, पात्र होते है व, चरम उत्कर्ष होता है, परिवेश होता है व कथानक होता है जो कहानी का महत्वपूर्ण बिंदु होता है, यह कहानीकार के मन में किसी घटना ~~व समस्या~~ के द्वारा आता है, कभी पूरा व कभी एक सूत्र जिसे वह अपनी कल्पना के द्वारा एक कहानी बनाता है, यह सब क्रम अनुसार होता है।

Space for writing Question Number

कथानक के तीन भाग होते हैं - प्रारंभ, मध्य और अंत

→ कहानी और नाटक की भिन्नता -

नाटक हमेशा वर्तमान काल में ही दर्शाया जाता है, इसमें मंच की सज्जा भी महत्त्वपूर्ण है, जिसमें कहानीकार को यह भी देखना होता है; इसका एक निश्चित समय होता है, इसे अंकों में विभाजित किया जाता है, इसमें पात्रों का चरित्र चित्रण क्रिया - कलापों द्वारा भी किया जाता है,

10

Space for writing Question Number

खण्ड 'ग'

(ग) (i) फागुन

(ii) कथन और कारण दोनो सही है और कथन, कारण की सही व्याख्यात करता है

(iii) केवल I और III

(iv) रख बनकर

(v) फागुन मास में रानी नागमती की विरह - व्यथा का वर्णन

(ख) (i) भरत-राम का प्रेम तुलसीदास जी द्वारा लिखा गया है।

इसमें भरत की निम्नलिखित विशेषताओं का वर्णन किया गया है।

* मातृ प्रेम अर्थात् इसमें भरत जी का राम जी के प्रति प्रेम दिखाया गया है। जब भरत जी को राम जी के वन गमन का पता चला तो वह बहुत दुखी हो गए, वे उसका दोषी खुद को मानते थे क्योंकि उनके कारण ही माता कैकई ने राम जी को वन में जाने की आज्ञा दी थी।

Space for writing Question Number

करता है

* त्यागो अर्थात् भरत जो ने राम जो के ~~बाद~~ जाने के बाद भी राजगद्दी को नहीं स्वीकार किया क्योंकि उनका मानना यह था कि इस पर बैठने व इसे सँभालने का कार्य राम जो का है।

* वे बेहद अच्छे स्वभाव के थे। उनके मन में राम जो के प्रति कोई ईर्ष्या की भावना नहीं थी बल्कि वे तो उन्हें अपना भगवान मानते थे, जिन्हें सदैव देखकर भी उनकी आँखे तृप्त नहीं होती थी।

(iii) 'तोड़ो' कविता रघुवीर सहायजी द्वारा लिखी गई है। इसमें लेखक ने बाधाओं और रूढ़ियों को तोड़कर सर्जन करने के लिए प्रेरित किया है अर्थात् लेखक कहते हैं कि हमारे मन में जो ऊब है जिससे हमारा विकास नहीं हो पा रहा है, यह बाधाओं की तरह है, जो सर्जन करने रोकती है अब इन्हें तोड़ो व तोड़ो जिससे नई सोच का सर्जन है। तुम अधिक रचनात्मक कार्य करो, वह यह एक बंजर जमीन द्वारा समझाते हैं।
जैसे बंजर जमीन को तोड़ने व गोड़ने के बाद वह एक अच्छे उपजाऊ भूमि में परिवर्तित हो जाती है और उसमें नए पौधों का विकास होता है ठीक उसी प्रकार अपने मन को सर्जन की ओर बढ़ाओ, बाधाओं को तोड़कर।

12

Space for writing Question Number

(9) (iii)

संदर्भ :- यह पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक अंतरा भाग-2 में संकलित पाठ 'देवसेना का गीत' से ली गई है, यह ~~स्कंदगुप्त~~ उपन्यास का अंश है, इसके रचयिता 'जयशंकर प्रसाद' जी है, (स्कंदगुप्त)

प्रसंग :- इन पंक्तियों को देवसेना द्वारा गाया गया है, जो राजा बंधुवर्मा की बहन थी व स्कंदगुप्त से प्रेम करती थी, परंतु तब स्कंदगुप्त विजया से प्रेम करते थे, अब वह प्रस्ताव लेकर देवसेना के पास आते है और वे उन्हें मना कर देती हैं,

व्याख्या :- इस पंक्तियों में यह बताया गया है कि मेरे ~~न~~ देवसेना अपने विरह में गीत गाते हुए कहती है कि मेरे जीवन में कई कठिनाइं आई जैसे - हूणों के आक्रमण से उनका परिवार वीरगति को प्राप्त हो गया वह एक भिक्षुनी बन गई अथवा भिक्षा एकत्रित कर अपना जीवन चलाती है, ऐसे में प्रलय हर समय उनके साथ चलता रहता है और वे यह जानते हुए भी कि वे कु उनके पद दुर्बल है, उससे हारी होड़ लगा रही है व उसे टक्कर दे रही है,

Space for writing Question Number

वे स्कंदगुप्त द्वारा दिए गए प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहती हैं कि यह लौटा लो क्योंकि अब उसने अपनेई जीवन में सब कुछ खो दिया हैं, वह बुरे लोगों की बुरी दृष्टि से स्वयं को बचाती रही व उसे भिक्षा माँगकर अपना गुजारा करना पड़ा। अब उसके जीवन का आखरी पड़ाव हैं, जिसमें वह उससे यह कहती हैं कि यह मुझसे नहीं सँभलेगा।

विषय :- लेखक ने देवसेना के दुखों का मार्मिक चित्रण किया हैं।
भाषा सहज व सरल हैं।
यहाँ विरह श्रृंगार रस हैं।

(10) (i) पूँजीपति वर्ग का
(ii) मजदूरों की कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए
(iii) कथन और कारण दोनों सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या हैं,
(D) (iv) बूँजीपतियों ~~द्वारा मजदूरों का~~ की अहिंसावादी नीतियों का वर्णन किया,
(v) ~~भरण-पोषण की लाचारी के कारण~~
(v) पूँजीपति के बढ़ते भय के कारण

14

Space for writing Question Number

(ii) (ii) लेखक को बचपन से ही साहित्यिक परिवेश और अनुकूल वातावरण मिला था अर्थात् लेखक 'रामचंद्र शुक्ला जी' के घर में रात को रामचरितमानस व रामायण उनके पिता जी द्वारा पढ़ाया जाता अथवा ~~भारतेन्दु~~ भारतेन्दु जी के बारे में बताया गया, जिससे उन्हें उनके लेखो व उनके विषय मे रुचि हुई।
लेखक पुस्तकें पढ़ने के लिए लाइब्रेरी भी जाते जहाँ वे सुबह से रात तक बैठकर पढ़ते है थे, यह पं. केदारनाथ जी द्वारा खोली गई थी।
उनका साहित्यिक की ओर झुकाव के कारण उनकी एक गड़ली भी बन गई थी जिसे 'निस्संदेह' के नाम से जाना जाता था, इसमें उमाशंकर प्रसाद द्विवेदी जी, केदारनाथ जी व भगवान दास हालना जी भी शामिल थे।

अर्थात परिवेश व वातावरण से बहुत महत्त्वपूर्ण होता है, हमें हमेशा अच्छे परिवेश व वातावरण में रहना चाहिए।

Space for writing Question Number

(iii) 'गांधी, नेहरू और यासेर अराफ़ात' पाठ भीष्म सहानी द्वारा लिखा गया है।

गांधी जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए हमें यह पता चलता है—
वे बेहद शांत व सरल स्वभाव के थे। उनकी आवाज़ भी वार्तालाप के दौरान ऐसी होती जैसे वे खुद से ही बातें कर रहे हैं।
वे समय के पाबंद थे। वे हमेशा एक नियमित समय पर अपने कार्यों को करने पर विश्वास रखते थे।
वे बहुत दयालु थे, जब पंद्रह साल के बच्चे ने पुकारा तब वह चिलचिलाती दोपहर में बाहर आए व उसकी परेशानी का निवारण किया।
गांधी जी रोज एक बूढ़े, बीमार व्यक्ति से मिलने उसकी कुटिया में जाते थे जिससे उनके ~~संवेदक~~ संवेदनशील होने का पता चलता है।

16

Space for writing Question Number

(i) (12) संदर्भ :- प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक अंतरा भाग - 2 के पाठ 'सुमिरनी के मनके' से लिया गया है, इसमें 'बालच बच गया' इसका शीर्षक है, इसके रचियता ~~पं. ब्रज~~ पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी जी है।

प्रसंग :- प्रस्तुत पंक्तियों में ~~कवि~~ लेखक ने बताया है कि कैसे एक बच्चे पर शिक्षा का जोर डाला गया जिसके कारण उसकी स्थिति खराब है, ~~पंरतु~~ परंतु बच्चे के अंदर का बचपना अभी भी जीवित है, यह जानकर उन उन्हें बेहद खुशी हुई।

व्याख्या :- प्रस्तुत पंक्तियों द्वारा कवि यह बताते हैं कि कैसे एक प्रधान अध्यापक का बेटा, जिसकी उम्र केवल आठ वर्ष थी शिक्षा के भार से लदा हुआ था, उसके पिता व अध्यापक ने उस पर शिक्षा का जोर डाला हुआ था जिससे वह उन सभी प्रश्नों के उत्तर दे रहा था, जिनका उसकी उम्र के बच्चों का बता पाना मुश्किल था जैसे - धर्म के दस लक्षण, नौ रसों के उदाहरण, चंद्रग्रहण का वैज्ञानिक समाधान, इंग्लैंड के राजा आठवें हेनरी की स्त्रियों के नाम, और पेशवाओं का कुर्सीनामा आदि सुना गया।

Space for writing Question Number

17

उसका चेहरा पीला था, आँखें सफेद थीं और दृष्टि भूमि से ऊठ नहीं रही थी परंतु एक वृद्ध के पूछे जाने पर कि उसे ईनाम में क्या चाहिए ? उसका जवाब लड्डू था, जिसे सुनकर लेखक को बहुत अच्छा लगा कि अभी भी उस बच्चे का बचपना उसमें बाकी है, अर्थात् वे कहते है कि शिक्षा को बोझ समझकर नही पढाना चाहिए, वह बोझ नहीं है।

विषय:- भाषा सरल व सहज है
हृदयात्मक शैली का प्रयोग किया गया है।
लेखक ने बालक की दशा का वर्णन किया है, जिसमें अभी भी बचपना बाकी है।

18

Space for writing Question Number

(13) (i) 'सूरदास की झोपड़ी' – प्रेमचंद जी द्वारा लिखी गई है।

'जब तक उसे रोते न देखूँगा, यह काँटा न निकलेगा'।
यह कथन भैरों द्वारा कहा गया है। जब सुभागी भैरों की मार से बचने के लिए सूरदास की झोपड़ी में गई व आश्रय लिया और सूरदास ने भी उसका साथ देते हुए उसे बचाया। तब से भैरों के मन में सूरदास के प्रति प्रतिशोध की भावना उत्पन्न हो गई थी।

भैरों सूरदास से ईर्ष्या करता था क्योंकि उसका मानना था, एक अंधा होते हुए भी सूरदास बहुत अच्छे से खाता-पीता व कमाता है। जबकि उसके पास इतने पैसे नहीं है।

भैरों बहुत नीच व घटिया आदमी था वह अपनी पत्नी सुभागी को मारता था जबकि सुभागी दिन-रात बिना किसी शिकायत के उसका व उसकी माँ का ख्याल रखती थी।

भैरों निर्दयी आदमी था उसे सूरदास पर दया भी नहीं आई कि वह एक अंधा है और उसे कितनी मुश्किल होगी व अब पुनः झोपड़ी का निर्माण करते हुए।

Space for writing Question Number

वह एक लालची आदमी था और बेईमान भी क्योंकि उसने सूरदास की झोपड़ी से उसकी पोटली उठा ली जिसमें सूरदास ने भीख माँगकर अपनी आशाओं को पूरा करने के लिए धन संचय किया था।

वह नासमझ था उसे किसी के बात पछतावा नहीं था, उसकी गलती पर भी नहीं।

(iii) 'बिस्कोहर की माटी' - विश्वनाथ त्रिपाठी द्वारा रचित है।

प्रकृति के साथ मनुष्य के संबंध की मार्मिक पड़ताल करता है, साथ ही साथ अपनी जड़ों से गहरे जुड़ाव और आत्मीयता की भावना को भी प्रकट करता है।

जैसे :- गाँव में आपदा आने के कारण सभी फसल खराब हो जाती है तब लोग लोग कमल की नाल - भसीण, व कमल के बीज कमल गट्टे को खाते हैं, शहरों में लोग कमल के पत्तों - पुरइन में खाना खाते हैं।

20

Space for writing Question Number

* गाँव में एक जलपुष्प होता है, जिसे कुमुद, कोका बेली भी कहते है, जिसकी सुगंध बहुत अच्छी होती है, गाँव में सिंघाड़ा भी होता है जो सफेद रंग को होता है, जिसकी खुशबू आनंदमय होती है।

गाँव में लोग दवाई भी जड़ी बूटियों से बनाते है — जैसे — लू लगने पर माँ कमीज़ में प्याज बाँधती है और से बचने के लिए

आम का पन्ना बनाकर भी पीया जाता है, आम को भुन्नकर गुड़ के साथ मिला कर शरीर पर लगा कर नहाया भी जाता है।

बैल बैतया को सुँघाया जाता है ताकि वह अपना डंक छोड़ दे, सत्यानाशी फूलों से गर्मी में आँख आ जाने पर बचा जाता है।

* गाँव में सब साँप से डरते है परंतु उसके खाने के विषय में सोचते भी रहते है, जैसे :- फेंचरा, धामिन, धोर कराइच, उसर आदि।

Space for writing Question Number

गाँव में बिच्छू भी होते हैं जिनके काटने से लोग मरते नहीं हैं, परंतु दर्द होता है। साँप के काटने से लोग मर जाते हैं।

* लेखक ने ढुमरी के बारे में बताया है जिससे उनके दुख का मार्मिक चित्रण किया गया, एक महिला सफेद वस्त्र में अपने प्रेमी के विरह को अग्नि में जल रही थी।

* लेखक ने अपने से दस वर्ष ज्यादा की औरत से अपने प्रेम के विषय में बताया है, जिसमें वह जूही जैसे लगती है।

* लेखक ने अपनी माँ के विषय में बताया कि बच्चों के प्रति का स्नेह अद्वितीय है व कभी न खत्म होने वाला है जानवर में भी माँ अपने बच्चों से वैसे ही प्रेम करती है, यह उन्होंने डीयर पार्क में बैठे वक्त को देखकर बताया है।

22

Space for writing Question Number

(I) (i) युवाओं पर सोशल मीडिया का सकारात्मक से अधिक नकारात्मक प्रभाव

(ii) रचनात्मक विकास

(iii) (D)

(iv) सोशल मीडिया की बढती लत ने सामाजिक जीवन में सकारात्मक व नकारात्मक दोनों तरह से प्रभावित किया है, जैसे एक तरफ हम कहीं भी बैठकर किसी दूसरे व्यक्ति से आसानी से संचार कर सकते है और दूसरी तरफ इसमें अधिक समय बिताने के कारण अवसाद का शिकार भी होने लगे है।

(v) सोशल मीडिया के साधन है एक-दूसरे से जुड़ने व समाचारों के आदान-प्रदान का, अपने लक्ष्य तक जल्दी पहुँचने का, बल्कि एक साधन नहीं जिसमें हम अपना अधिक समय व्यतीत करने के कारण अवसाद व शिकार हो व पैसे हासिल करने के लिए कुछ भी कर जाए, इसका सोच-समझकर प्रयोग करना चाहिए।

(vi) सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों को रोकने के लिए हमें इसके अतिशय उपयोग से बचना चाहिए और आभासी दुनिया के हलचल को असल जिंदगी पर हावी नहीं होने देना चाहिए।

(vii) आभासी दुनिया से तात्पर्य यह है कि अपनी सोची व काल्पनिक दुनिया जो असल जिंदगी से अलग हो, जिसमें हम सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग करते हैं और स्टारडम व पैसे हासिल करते हैं।

(2) (i) (D)

(ii) आदतों को छोड़ने / बदलने में बहुत समय लगता है।

(iii) अपनी अच्छी या बुरी आदतों पर जीने वाला है

(iv) आदत से यह आशय है कि यह हमारी रोजमर्रा में करने वाली चीजों की व्याख्या है, आदतें दो प्रकार की होती है - अच्छी व बुरी।

24

Space for writing Question Number

(v) आदतों के संदर्भ में मनुष्य और पशु में अंतर है। मनुष्य अपने परिश्रम व दृढ़निश्चय से अपनी बुरी आदतों को सुधार सकता है परंतु जन्तु उन्हे सिर्फ दोहराते है।

(vi) कुहनी से धकियाना सूचक है भाग-दौड़ का व अंधाधुंध प्रगति करने की होड़ का।
लोग एक-दूसरे को इसलिए मारते है क्योंकि वह एक दूसरे से आगे बढ़ना चाहते है। उनमें ईर्ष्या की भावना है।

Space for writing Question Number

Space for writing Question Number

Space for writing
Question Number

28

Space for writing
Question Number

Space for writing
Question Number

30

Space for writing
Question Number

Space for writing
Question Number

32

Space for writing
Question Number

E 2026